MP Board Class 8th Social Science Solutions Chapter 20 भारत की विदेश नीति एवं पड़ोसी देशों से सम्बन्ध

प्रश्न 1.
निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए –
(1) पंचशील समझौता किन दो देशों के बीच हुआ था ?
(क) भारत और पाकिस्तान
(ख) भारत और चीन
(ग) चीन और पाकिस्तान
(घ) भारत और नेपाल।
उत्तर:
(ख) भारत और चीन

(2) भारत ने 1987 ई. में किस देश में शान्ति सेना भेजी थी?
(क) चीन
(ख) पाकिस्तान
(ग) श्रीलंका
(घ) बांग्लादेश।
उत्तर:
(ग) श्रीलंका।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 2.
(1) गुटनिरपेक्षता से आप क्या समझते हैं ?
उत्तर:
गुटनिरपेक्षता का अर्थ है शक्तिशाली गुटों से दूर रहना।

(2) भारत उपनिवेशवाद का विरोध क्यों करता है ?
उत्तर:
क्योंकि भारत लम्बे समय तक ब्रिटिश साम्राज्यवाद के अधीन दासता के दुष्परिणामों से परिचित रहा है।

(3) स्वतन्त्रता प्राप्ति से पहले बांग्लादेश किस नाम से जाना जाता था ?
उत्तर:
स्वतन्त्रता प्राप्ति से पहले पूर्वी पाकिस्तान के नाम से जाना जाता था।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 3.
(1) भारत अणु शस्त्रों पर रोक क्यों लगाना चाहता है ?
उत्तर:
भारत के अनुसार केवल निः शस्त्रीकरण ही अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति को सुदृढ़ बना सकता है जिसमें अणु शस्त्रों की होड़ आपसी सह – अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा है। इसलिए भारत अणु शस्त्रों पर रोक लगाना चाहता है।

(2) पंचशील के क्या नियम हैं ?
उत्तर:
पंचशील के निम्नलिखित पाँच नियम हैं –

- एक – दूसरे की प्रादेशिक अखण्डता और सम्प्रभुता का आदर,
- अनाक्रमण
- एक – दूसरे के आन्तरिक मामलों में अहस्तक्षेप,
- समानता और पारस्परिक लाभ एवं
- शान्तिपूर्ण सह – अस्तित्व।

(3) बांग्लादेश की स्वतन्त्रता में भारत ने क्या सहयोग किया था ?
उत्तर:
पूर्वी पाकिस्तान से मुक्ति के लिए शेख मुजीबुर्रहमान के नेतृत्व में चलाये जा रहे स्वतन्त्रता आन्दोलन को भारत ने सहयोग दिया एवं आवश्यकता पड़ने पर बांग्लादेश को सैनिक एवं असैनिक सहायता दी गयी। सर्वोपरि भारत ने बांग्लादेश को एक स्वतन्त्र राष्ट्र के रूप में सर्वप्रथम मान्यता दी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 4.
(1) भारत और पाकिस्तान के मध्य विवाद के क्या कारण हैं
उत्तर:
भारत और पाकिस्तान में विभाजन के परिणामस्वरूप प्रारम्भिक समय में तो सम्पत्ति, सीमा, नदी, जल वितरण आदि समस्याओं को लेकर विवाद चलते रहे, किन्तु शीघ्र ही दोनों देशों के बीच राजनीतिक विवाद प्रारम्भ हो गए। कश्मीर को लेकर दोनों देशों के मध्य विवाद पाकिस्तान की स्थापना के कुछ ही दिनों बाद प्रारम्भ हो गया।

इस विवाद के चलते पाकिस्तान ने चार बार भारत पर सैनिक आक्रमण भी किया। पहली बार अक्टूबर, 1947 में सीमावर्ती कबीलाइयों को भड़काकर तथा उन्हें सैनिक सहायता देकर कश्मीर पर आक्रमण करवाया। दूसरी बार सितम्बर, 1965 में कश्मीर पर पाकिस्तान ने व्यापक आक्रमण किया। तीसरी बार 1971 में बांग्लादेश के युद्ध के समय कश्मीर पर आक्रमण किया। चौथी बार 1999 में पुन: पाकिस्तान ने कश्मीर पर आक्रमण किया जो 'कारगिल युद्ध' के नाम से मशहूर है।

(2) भारत की विदेश नीति के क्या लक्ष्य हैं ?
उत्तर:
भारत की विदेश नीति की जड़ें विगत कई शताब्दियों से विकसित सभ्यताओं के मूल में छिपी हुई हैं। इस विदेश नीति के प्रमुख लक्ष्य निम्नलिखित प्रकार से हैं –

https://www.evidyarthi.in/

- भारत को विश्व की प्रभावशाली शक्ति बनाना
- भारत के औद्योगिक विकास के लिए दूसरे क्षेत्रों से आर्थिक सहायता प्राप्त करना
- उपनिवेशवाद तथा साम्राज्यवाद का विरोध करना
- एशिया और अफ्रीका के देशों के स्वतन्त्रता आन्दोलन का समर्थन करना
- राष्ट्रमण्डल के देशों से घनिष्ठ सम्बन्ध बनाए रखना
- राष्ट्रीय हितों की पूर्ति करना
- वैदेशिक व्यापार के विकास हेतु आवश्यक दशाओं का
- पारस्परिक आर्थिक तथा जनहित के रक्षार्थ एशियाई अफ्रीकी देशों को संगठित करना
- संयुक्त राष्ट्र संघ का समर्थन तथा सहयोग करना।

(3) भारत और चीन के सम्बन्धों पर लेख लिखिए।
उत्तर:
भारत और चीन के सम्बन्ध हजारों वर्ष पुराने हैं। ईसा से पूर्व तीसरी शताब्दी में सम्राट अशोक के समय से चीन में बौद्ध धर्म का विकास हुआ। अशोक काल के बाद अनेक विद्वान चीन गए। चीनी यात्रा भी भारत आते रहे हैं। चीनी विद्यार्थी नालन्दा विश्वविद्यालयों में पढ़ने आया करते थे। वर्तमान काल में भारत ने चीन में साम्यवादी क्रान्ति का स्वागत किया और चीन की नई सरकार से अच्छे सम्बन्ध स्थापित करने की पहल की जो काफी कुछ सफल भी हुई। साम्यवादी चीन को सबसे पहले मान्यता देने वालों में भारत प्रमुख था। भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ में चीन को सदस्य बनाने में काफी महत्वपूर्ण पहल की।

भारत और चीन ने 1954 में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए जो पंचशील समझौते के नाम से पूरे संसार में जाना जाता है। पारस्परिक सम्बन्धों को निर्धारित करने वाले इन पाँच सिद्धान्तों को दोनों देशों ने स्वीकार किया, पर कुछ समय बाद चीन ने भारत-चीन सीमा के बहुत बड़े भाग पर अपना दावा प्रस्तुत किया तथा 1962 में भारत पर चीन ने आक्रमण कर दिया। भारत ने चीन के इस आक्रमण का विरोध किया और अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए युद्ध किया। युद्ध के बाद भारत-चीन सम्बन्ध तनावपूर्ण हो गए और काफी समय तक सामान्य नहीं रहे।